M.B.S.P. Mandal's

Arts and Commerce College, Mayani

Tal-Khatav, Dist- Satara.

DEPARTMENT OF HINDI

Course Outcomes

बी.ए. १ प्रश्नपत्र क्र. १/२

हिंदी (विशेष ऐच्छिक) साहित्य विविधा (पद्य तथा गद्य विभाग)

१) आधुनिक हिंदी कविता, गजल, कहानी, व्यग्य, निबंध, एकांकी, रेखचित्र, यात्रासंवाद आदि हिंदी साहित्य की विविध विधाओं से छात्र परिचित।

२) छायावाद, प्रगतिवाद तथा नारी-विमर्श, आदिवासी विमर्श, दलित-विमर्श आदि विविध साहीत्यिक विमर्शो से परिचत तथा भावात्मक विकास।

३) श्रवण, लेखन, कौशल की क्षमता विकसित।

४) हिंदी कवि तथा लेखकों का परिचय।

५) विविध रचनाओं के माध्यम से छात्र आज की समस्या जैसे अकेलेपन की समस्या देश विघातक बम विस्फोट, विधवा विवाह की समस्या, किसान जीवन की समस्या, भ्रष्टाचार, विषमता, सवर्ण-दलित भेदभाव, नारीव्यथा राजनीतिक गुंडा-गर्दी से अवगत।

६) मनुष्यता, राष्ट्रप्रेम, नैतिकता इ. राष्ट्रीय मुल्यों के प्रति आस्था।

बी.ए. २ पेपर क्र. ३/५

अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी गद्य साहित्य

१) गद्य की हिंदी विविध विधाओं का परिचय जैसे - कथा, डायरी, आत्मकथा, जीवनी, रेडियो नाटक, रेखाचित्र, संस्मरण।

२) दलित एवं अस्मितामूलक विमर्श का परिचय

३) नारी विमर्श, विभाजन की त्रासदी से अवगत।

४) महान चरित्रोंका परिचय

५) समीक्षा सिद्धांतो से परिचित।

६) साहित्यिक काव्य के तत्वों से परिचित।

रोजगार परक हिंदी

१) रोजगारउन्मुख शिक्षा एवं कौशल से अवगत।

२) हिंदी मे कार्य करने की विचार क्षमता, कल्पनाशीलता एवं रुचि विकसित।

३) रोजगार परक पद : जैसे - हिंदी अध्यापक राजभाषा अधिकारी अनुवादक आदि रोजगार पदों का सामान्य परिचय।

४) पारिभाषिक शब्दावली, हिंदी गिनती : मुहावरों से परिचित।

५) औपचारिक / सरकारी पत्राचार से परिचित/

६) मराठी भाषा परिच्छेद हिंदी का अनुवाद कौशल से अवगत।

बी.ए. २ प्रश्नपत्र क्र. ४/६

हिंदी काव्यधारा - भक्तिकाव्य, आधुनिक कविता खण्डकाव्य / लंबीकविता

१) संत कबीर, संत तुलसीदास, संत सूरदास, संत मीराबाई आदि भक्तीकालीन कवियों के भक्ती परख दोहों से छात्र परिचित।

२) भक्ती काव्य, भक्तीगीत रामकृष्ण के सगुण भक्तीगीत तथा कबीर के निर्गुण भक्तीगीतोंसे छात्र परिचित।

३) आधुनिक कविता, लंबी कविता, खंडकाव्य, आदि विविध काव्य विधाओं से छात्र परिचित।

बी.ए. ३ प्रश्नपत्र क्र. ७/१२

विधा विशेष का अध्ययन -

१) नाटक के तात्विक स्वरुप का परिचय, विशेष साहित्यकार कुसुम कुमार का परिचय और उनके मुल्यांकन से छात्र अवगत विशेष रचना (नाटक उपन्यास) का मुल्याकन समीक्षा Criticisam की क्षमता से छात्र अवगत।

२) निर्धारित नाटक और उपन्यास ग्रंथ का सुक्ष्म अलोचनात्मक अध्ययन की दृष्टि छात्रों मे विकसित।

३) लेखक / लेखिका के नाटककार के रुप में साहित्यिक स्थान को निर्धारित करने की दृष्टी छात्रों मे विकसित।.

---

१) उपन्यास के तात्विक स्वरुप का परिचय।

२) उपन्यासकार चंद्रकांता के व्यक्तित्व कृतित्व से परिचित।

३) छात्रों में उपन्यास के आस्वादन एवं समीक्षा की क्षमता विकसित।

४) अंतिम साक्ष्य उपन्यास की प्रासंगिकता से छात्र अवगत।

बी.ए. ३ प्रश्नपत्र क्र. ८/१३

साहित्य शास्त्र / काव्यशास्त्र

१) काव्य / साहित्य का स्वरूप, साहित्य के तत्व, प्रेरणा, प्रयोजन, शब्दशक्ती, अलंकार, रस, आदि के शास्त्रीय अध्ययन से छात्र परिचित।

२) भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र के महत्वपुर्ण अंगो का विवेचन, विश्लेषण से छात्र अवगत। छात्रों मे समीक्षा दृष्टि, अलोचना की दृष्टि अवगत।

३) साहित्य के विविध गद्य-पद्य विधायोंका परिचय जेसै - रेखाचित्र संस्मरण, यात्रा वर्णन, आत्मकथा, जिवनी, महाकाव्य, खंडकाव्य, गीतीकाव्य, आदि का आदि परिचय।

बी.ए. ३ प्रश्नपत्र क्र. ९/१४

हिंदी साहित्य का इतिहास

१) हिंदी भाषा तथा साहित्य की विकास यात्रा से छात्र अवगत।

२) हिंदी साहित्य की विकास यात्रा में अलग अलग विचारधारा और प्रवृत्तियों से छात्र अवगत।

३) साहित्य समझने तथा उसका अस्वादन, मुल्यांकन करने की दृष्टि छात्रों में विकसित।

४) साहित्य के संदभ्र मे विभिन्न साहित्यिक विधायों के विकास क्रम से छात्र परिचित।

५) युगीन सामाजिक राजनितीक परिस्थितीयों से छात्र अवगत।

६) हिंदी प्रमुख संतकवी उनकी रचनाएँ, और उनका समाज सुधार में योगदान आदि से छात्र परिचित।

बी.ए. ३ प्रश्नपत्र क्र. १०/१५

प्रयोजनमूलक हिंदी

१) हिंदी में कार्य करने की रुचि विकसित।

२) रोजगार उन्मुख शिक्षा एवं कौशल्य से अवगत

३) पारिभाषिक शब्दावली से परिचित

४) सरपकारी पत्राचार के स्वरुप से परिचित

५) जनसंचार एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से परिचित

६) अनुवाद स्वरुप, महत्व तथा उपयोगिता से परिचित

७) रोजगार पत्रक हिंदी की उपयोगिता से अवगत

बी.ए. ३ प्रश्नपत्र क्र. ११/१६

भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा

१) भाषा के विविध रुपों से परिचित।

२) भाषा विज्ञान से परिचित।

३) हिंदी भाषा एवं लिपि के उद्‌भ्भव और विकास से परिचित।

४) भाषा की शुद्‌धता के प्रति छात्र जागृत

५) मानक हिंदी वर्तनी और व्याकरण से छात्र परिचित।

६) देवनागरी लिपी : कारक, विराम चिह्न के नियमों से परिचित।

७) हिंदी भाषा के विविध एव ३ हिंदी की बोलियाँ आदि से परिचित।